पत्रिका

देवी महालक्ष्मी का पूजन कर मांगी समृद्धि, महिलाओं ने किया दीपदान

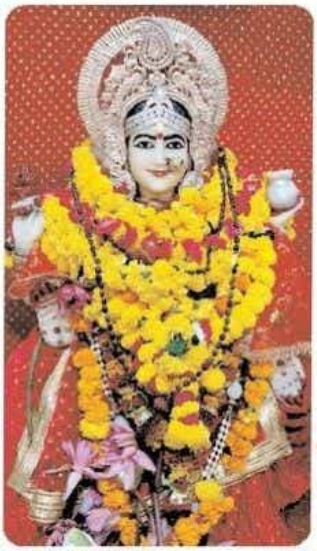

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन से पहले दीपदान करती महिलाएं, दूसरी ओर दादाबाड़ी स्थित राम धाम मंदिर शृंगारित मां लक्ष्मी की प्रतिमा। पत्रिका

बिखरी आतिशी रंगत, रंग-बिरंगे नजारों से नहाया आसमान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. पंच महापर्व के मुख्य पर्व दीपावली की खुशियां गुरुवार को बरसी। मन से अंधियारे के बादल छंट गए और खुशियों का अपार उजास छा गया।

सुबह से ही शहरवासी देवी लक्ष्मी की अगुवानी को तत्पर नजर आए। रंग-बिरंगी रोशनी, सजावट के बीच देवी लक्ष्मी की अगुवानी की। शुभ मुहूर्त में धन धान्य की देवी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह से देर शाम तक पूजा-अर्चना का दौर जारी रहा। इस वर्ष ज्योतिषाचार्यों ने पूजन के कई मुहूर्त निकाले। कहीं लोगों ने सुबह की बेला में तो कहीं दोपहर व कहीं देर रात तक पूजन किया। फल-फूल, नैवेद्य, देवी को चढ़ाकर सुख-समृद्धि की कामना की। पूजन इत्यादि कर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी। बड़ों का आशीर्वाद लिया। इस दौरान शहर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमग नजर आया।

नजर आई आतिशी रंगत

देवी लक्ष्मी का पूजन, दीपदान के साथ आतिशी रंगत से महापर्व का उत्साह परवान चढ़ा। महिला, बच्चे व युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। देर रात तक धूम धड़ाका होता रहा। कहीं बच्चे रंग बिरंगी रोशनी, फुलझड़ी, पटाखे चलाते नजर आए तो कहीं युवा तेज कर्कश आवाज के पटाखों के साथ उत्साहित दिखे। इस दौरान कई युवाओं ने आतिशबाजी भी की। इससे आसमान रंग-बिरंगी रोशनी, तारों सितारों से नहाया नजर आया।

शुभकामना संदेश और मनुहार का दौर

दीपावली के महापर्व पर पूजा अर्चना कर एक दूसरे से मिलने पहुंचे। एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। इस दौरान नमकीन व मिष्ठानों के साथ मनुहार का दौर भी चला। मोबाइल पर सुबह से ही शुभकामना संदेश भेजने का क्रम चलता रहा। दूरदराज स्थानों पर रहने वाले अपनों को लोगों ने मोबाइल पर भी शुभकामनाएं दी।

मंदिरों में मनी दिवाली

किशोरपुरा दरवाजा स्थित देवी लक्ष्मी के मंदिर के पट दिन भर खुले रहे। श्रद्धालुओं ने देवी के दर्शन कर सुख समृद्धि की कामना की। सुबह अभिषेक के साथ ही मंदिर के पट दर्शनार्थियों के लिए खोल दिए गए। शाम को संध्या आरती में मंदिर जयकारों से गूंजा। रात को दीपोत्सव मनाया गया। बड़ी संख्या में लोग दर्शन को पहुंचे।

किया दीपदान

शाम को महिलाओं ने दीप दान किया। घर-घर व देहरी पर दीप रखने के बाद आसपड़ोस में भी दीप रखे। संध्या होने से पहले ही महिलाओं ने दीपदान की तैयारी कर ली थी। फिर देर तक दीपदान चला। महिलाओं ने मंदिरों में भी दीपदान किया।

बाजारों में दिखी भीड़

बाजारों में भी पर्व की रौनक नजर आई। शहर के प्रमुख मार्ग व बाजारों में जगह-जगह सजी विभिन्न दुकानों पर सुबह से ही भीड़ रही। खील, बताशे, दीपक, पूजन सामग्री, गन्ना, सजावटी सामग्री समेत अन्य वस्तुओं की दुकानों पर खासी रौनक नजर आई। कपड़ा, किराना, सजावट व उपहार, मिष्ठान आदि दुकानों पर जमकर खरीदारी हुई।

हुई आतिशबाजी

महापर्व को देखते हुए जगह-जगह पटाखों की दुकानें सजी । इन पर खरीदार का दौर चला। रात तक लोग पटाखे खरीदते दिखे। दुकानदार व्यस्त नजर आए। बच्चों व युवाओं ने अपनी पसंद के अनुरूप पटाखे खरीदे।

वाहनों की हुई पूजा

लोगों ने देवी लक्ष्मी के पूजन साथ अपने वाहनों का पूजन भी किया। वाहनों की धुलाई कर उन्हें सजाया व मुहूर्त के अनुसार पूजन किया।

आज भी मनाएंगे पर्व

कई लोग शुक्रवार को भी दिवाली मनाएंगे। शुभ मुहूर्त में देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाएगा। अन्नकूट महोत्सव की धुन भी रहेगी।

आज मनाएंगे भगवान महावीर का मोक्ष कल्याण दिवस, चढ़ाएंगे लड्डू

कोटा @ पत्रिका . जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक के पावन अवसर पर कोटा शहर के सभी जैन मंदिरों में 1 नवम्बर को सुबह 7 बजे पूजन कर निर्वाण लाडू अर्पित किया जाएगा। प्रचार सचिव मनोज जैन आदिनाथ ने बताया कि कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर स्वामी को 2550 वर्ष पूर्व बिहार स्थित पावापुरी में मोक्ष प्राप्त हुआ था, तभी से जैन धर्मावलम्बी प्रत्येक दीपावली पर भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक, पूजन कर निर्वाण लाडू चरणों में अर्पित करते हैं। शुक्रवार प्रातः साढ़े 5 बजे मंगलाष्टक प्रारंभ कर बोली के माध्यम से अभिषेक, शांतिधारा कर अष्टद्रव्य से पूजन कर निर्वाण कांड पाठ एवं महावीराष्टाक का पाठ कर निर्वाण लाडू अर्पित किया जाएगा।

विस्तृत खबर पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें